Drishti IAS

करेंट अफेयर्स

उत्तराखंड

(संग्रह)

फरवरी 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तराखंड 3

- बद्रीनाथ मंदिर 3
- उत्तराखंड में ग्रीन गेम्स को प्रोत्साहन 4
- उत्तराखंड में भूमि पंजीकरण कागज़ रहित होगा 6
- आदर्श संस्कृत गाँव 7
- राष्ट्रीय खेल 2025 8
- 14वाँ मध्य कैरियर पाठ्यक्रम (चरण III) 9
- उत्तराखंड में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिये अनुदान 10
- उत्तराखंड में दुनिया का दूसरा सबसे ऊँचा ट्रेक 11
- उत्तराखंड में बाहरी लोगों के कृषि भूमि खरीदने पर रोक 12
- उत्तराखंड बजट 2025-26 12
- राष्ट्रीय ई-विधान आवेदन 15
- उत्तराखंड के जैविक निर्यात में गिरावट 16
- केदारनाथ मंदिर 17
- उत्तराखंड वनरोपण निकाय ने धन का गलत प्रबंधन किया 18

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तराखंड

बद्रीनाथ मंदिर

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड के चमोली ज़िले में स्थित बद्रीनाथ मंदिर के पवित्र कपाट 4 मई, 2025 को श्रद्धालुओं के लिये खोले जाएंगे।

मुख्य बिंदु

- **बद्रीनाथ मंदिर खोलने पर निर्णय:**
  - बसंत पंचमी के अवसर पर पुजारियों ने विशेष पूजा-अर्चना के पश्चात बद्रीनाथ मंदिर के कपाट खोलने का शुभ समय तय किया।
- **चार धामों का वार्षिक समापन और पुन: उद्घाटन:**
  - **दीवाली के बाद, अधिकारियों द्वारा चार धाम— बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री—** भक्तों के लिये बंद कर दिये जाते हैं।
    - अगले वर्ष **अप्रैल-मई में द्वार पुन: खुलेंगे।**

चार धाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला
  - देवी यमुना को **समर्पित**
  - यमुना नदी भारत में गंगा नदी के बाद दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला
  - देवी गंगा को **समर्पित**
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला
  - भगवान शिव को **समर्पित**
  - मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित है।
  - **भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों** (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला
  - बद्रीनारायण मंदिर का पवित्र स्थल
  - भगवान विष्णु को **समर्पित**
  - वैष्णवों के लिये पवित्र तीर्थस्थलों में से एक।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तराखंड में ग्रीन गेम्स को प्रोत्साहन

चर्चा में क्यों ?

राज्य में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने ग्रीन गेम्स थीम के अनुरूप अभिनव पहल की शुरुआत की।

- राज्य ने दीर्घकालिक प्रथाओं को अपनाया है, **स्थानीय संस्कृति** को प्रोत्साहित किया है और महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता प्रदान की।

मुख्य बिंदु

- **ग्रीन गेम्स पहल:**
  - राज्य ने संरक्षण प्रयासों को उजागर करने के लिये हिमालयी राज्य पक्षी मोनाल को आधिकारिक **शुभंकर चुना गया।**
  - एक विशिष्ट पहल के तहत विजेताओं को दिये जाने वाले पदक ई-अपशिष्ट से बनाए गए।
  - उत्तराखंड सरकार विजयी खिलाड़ियों के सम्मान में **खेल वन का निर्माण** कर रही है।
    - परियोजना के लिये 2.77 हेक्टेयर क्षेत्र निर्धारित किया गया है, जहाँ **1,600 रुद्राक्ष के वृक्ष** लगाए जाएँगे।
  - इस कार्यक्रम में दीर्घकालिक प्रथाओं को शामिल किया गया है, जैसे कि **पुनर्नवीनीकृत सामग्रियों से बने निमंत्रण कार्ड,** प्रदूषण को रोकने के लिये इलेक्ट्रिक रिक्शा, सौर पैनलों का उपयोग और पुन: प्रयोज्य पानी की बोतलें।
- **खेल अपशिष्ट का पुन: उपयोग:**
  - दौड़ते हुए खिलाड़ी और मोनाल पक्षी सहित विभिन्न प्रतीकों को पुन:प्रयोजनित खेल सामग्रियों से तैयार किया गया है।
  - **पूर्णत: ई-कचरे** से बनी एक विशाल बाघ की मूर्ति खेलों में मुख्य आकर्षण बन गई है।
- **फिटनेस और स्थिरता को बढ़ावा देना:**
  - पर्यावरण संरक्षण और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के लिये, **कार्यक्रम स्थलों पर साइकिलें उपलब्ध कराई गई हैं।**
- **महिला स्वास्थ्य को प्राथमिकता:**
  - उत्तराखंड महिला एथलीटों के लिये एक विचारशील पहल के माध्यम से मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता को संबोधित कर रहा है।
  - राज्य ने **सैनिटरी पैड और अन्य आवश्यक वस्तुओं से युक्त किट पेश किये हैं,** जिससे खेलों में महिलाओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिये प्रशंसा प्राप्त हुई है।
- **योग और मलखंब:**
  - पहली बार **पारंपरिक भारतीय खेलों** को राष्ट्रीय खेलों की पदक तालिका में शामिल किया गया है।
- **स्थानीय संस्कृति और पर्यटन का उत्सव:**
  - उत्तराखंड ने यह सुनिश्चित किया है कि राष्ट्रीय खेलों में **स्थानीय संस्कृति उजागर हो तथा इनका विस्तार महानगरीय केंद्रों से अधिक हो।**
  - **टिहरी और अल्मोड़ा जैसे दर्शनीय स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं,** जिससे कम ज्ञात क्षेत्रों को बढ़ावा मिल रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पहाड़ी विरासत को प्रदर्शित करना:**
  - **झंगोरा और गहत दाल** सहित **पारंपरिक व्यंजन** प्रस्तुत किये गए, जबकि ऐपण लोक कला को पोस्टर, बैनर और कार्यक्रम की सजावट में प्रदर्शित किया गया।

ऐपण कला

- ऐपण उत्तराखंड में **महिलाओं द्वारा विशेष रूप से बनाई जाने वाली एक पारंपरिक लोक कला है।**
- यह कलाकृति **चावल के आटे से बने सफेद लेप (पेस्ट)** का उपयोग करके **ईंट-लाल पृष्ठभूमि पर फर्श पर बनाई जाती है।**
- धार्मिक रूपांकनों, दोहरावदार ज्यामितीय पैटर्न और प्रकृति से प्रेरित तत्वों को तैयार करने के लिये **केवल लाल और सफेद रंगों का उपयोग किया जाता है, जो इस क्षेत्र की विशिष्ट कलात्मक शैली को दर्शाता है।**
- ऐपण **घरेलू समारोहों, अनुष्ठानों और विशेष अवसरों का एक अभिन्न अंग है।**
- ऐसा माना जाता है कि ये आकृतियाँ **दैवीय शक्ति का आह्वान करती हैं, सौभाग्य** लाती हैं और बुराई से रक्षा करती हैं।

मलखंब

- मलखंब एक पारंपरिक खेल है, जिसकी उत्पत्ति भारतीय उपमहाद्वीप में हुई है, इस खेल में एक जिमनास्ट एक ऊर्ध्वाधर स्थिर या लटकी हुई लकड़ी के खंभे, बेंत या रस्सी के साथ **हवाई योग या जिमनास्टिक आसन और कुश्ती की तकनीकों** का प्रदर्शन करते हैं।
- मलखंब नाम दो शब्दों से मिलकर बना है, **मल्ला, जिसका अर्थ है पहलवान और खंब, जिसका अर्थ है खंभा।** शाब्दिक अर्थ है **"कुश्ती का खंभा"**, यह शब्द पहलवानों द्वारा उपयोग किये जाने वाले पारंपरिक प्रशिक्षण उपकरण को संदर्भित करता है।
- इस खेल में **मध्य प्रदेश** और **महाराष्ट्र** मुख्य केंद्र बने हुए हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तराखंड में भूमि पंजीकरण कागज़ रहित होगा

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड सरकार पूरे राज्य में भूमि पंजीकरण के लिये कागज़ रहित प्रणाली लागू करने की तैयारी में है।

मुख्य बिंदु

- **स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग ने** इस पहल के लिये एक आधारभूत रूपरेखा तैयार की है।
- राज्य के वित्तमंत्री **प्रेमचंद अग्रवाल ने** घोषणा की कि **"उत्तराखंड ऑनलाइन दस्तावेज़ पंजीकरण नियमावली 2025"** को आगामी कैबिनेट बैठक में अनुमोदन के लिये प्रस्तुत किया जाएगा।
  - कैबिनेट की सहमति मिलने पर इस प्रणाली को औपचारिक रूप से लागू कर दिया जाएगा।
- **भूमि पंजीकरण का डिजिटल रूपांतरण:**
  - **नई प्रणाली का उद्देश्य कागज़ रहित पंजीकरण,** आधार प्रमाणीकरण और **आभासी पंजीकरण प्रक्रियाओं को** शुरू करके पंजीकरण प्रक्रिया को बढ़ाना है।
  - **संपत्ति लेनदेन** में शामिल पक्षों के पास **उप-पंजीयक कार्यालय में** व्यक्तिगत रूप से जाने या वीडियो केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) के माध्यम से **दस्तावेज़ सत्यापन पूरा करने का** विकल्प होगा।
  - **उप-रजिस्ट्रार** डिजिटल हस्ताक्षर का उपयोग करके प्रक्रिया को अंतिम रूप देंगे और पक्षों को **व्हाट्सएप** और **ईमेल के माध्यम से तुरंत सूचित करेंगे।**
- **महत्त्व:**
  - भूमि लेनदेन प्रक्रिया के साथ **आधार प्रमाणीकरण को एकीकृत करने से सार्वजनिक सुविधा में सुधार और पारदर्शिता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।**
  - इस कदम का उद्देश्य पंजीकरण प्रक्रिया में **धोखाधड़ी की गतिविधियों पर अंकुश लगाना** है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिये प्रतिबद्ध है कि भूमि खरीद और बिक्री प्रक्रिया पारदर्शी और कुशल हो।

आधार:

- **आधार** एक **12 अंकों की व्यक्तिगत पहचान** संख्या है जिसे भारत सरकार की ओर से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण **द्वारा जारी किया जाता है। यह संख्या** भारत में कहीं भी **पहचान और पते के प्रमाण के रूप में काम आती है।**
  - **आधार संख्या** प्रत्येक व्यक्ति के लिये अद्वितीय है और जीवन भर मान्य है।
  - आधार संख्या निवासियों को **बैंकिंग, मोबाइल फोन कनेक्शन** और अन्य **सरकारी** एवं **गैर-सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने** में मदद करेगी।
  - **जनसांख्यिकीय** और **बायोमेट्रिक जानकारी** के आधार पर व्यक्तियों की पहचान स्थापित करता है।
  - यह एक स्वैच्छिक सेवा है, जिसका लाभ प्रत्येक निवासी वर्तमान दस्तावेज़ो के बावजूद उठा सकता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

आदर्श संस्कृत गाँव

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड सरकार ने राज्य की दूसरी भाषा **संस्कृत के संरक्षण और संवर्द्धन** के लिये अपने 13 ज़िलों में से प्रत्येक में एक गाँव को **'आदर्श संस्कृत गाँव'** के रूप में नामित किया है।

मुख्य बिंदु

- **संस्कृत को बढ़ावा देने के लिये सरकार की प्रतिबद्धता:**
  - राज्य के शिक्षामंत्री ने संस्कृत को 'देववाणी' (देवताओं की भाषा) बताते हुए इस बात पर ज़ोर दिया कि संस्कृत का संरक्षण और संवर्द्धन सरकार की **सर्वोच्च प्राथमिकता है।**
  - उन्होंने कहा कि **आदर्श संस्कृत गाँव** नई पीढ़ी को संस्कृत के माध्यम से भारतीय दर्शन **और ज्ञान परंपराओं से जोड़ने में मदद करेंगे।**
- **दैनिक जीवन में संस्कृत का एकीकरण:**
  - सरकार ने ग्रामीणों को दैनिक जीवन में **संस्कृत में बातचीत करने का प्रशिक्षण देने के लिये विशेष प्रशिक्षकों की नियुक्ति की है।**
  - **ग्रामीणों को धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान** वेदों, पुराणों और उपनिषदों **की श्लोकों को सुनाने** के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा।
  - महिलाओं और बच्चों को **त्योहारों और समारोहों के दौरान संस्कृत में धार्मिक गीत गाने के लिये प्रेरित किया जाएगा।**
  - **अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के** बच्चों को संस्कृत पढ़ने के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सद्भाव को बढ़ावा देना है।
- **आदर्श संस्कृत गाँवों की सूची:**
  - सरकार ने उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में **13 गाँवों को आदर्श संस्कृत गाँव के रूप में नामित किया है :**
    - **गढ़वाल क्षेत्र:** नूरपुर पंजनहेड़ी (हरिद्वार), भोगपुर (देहरादून), कोटगाँव (उत्तरकाशी), डिम्मर (चमोली), गोदा (पौड़ी), बैजी (रुद्रप्रयाग), मुखेम (टिहरी)।
    - **कुमाऊँ क्षेत्र:** पांडे (नैनीताल), जैंती (अल्मोड़ा), खर्ककार्की (चंपावत), उर्ग (पिथौरागढ़), शेरी (बागेश्वर), नगला तराई (उधमसिंह नगर)।
- **उत्तराखंड में संस्कृत शिक्षा:**
  - राज्य में **100 से अधिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय हैं,** जो भाषा को बढ़ावा देने के प्रयासों को और मज़बूत करते हैं।

संस्कृत

- यह एक **प्राचीन भारतीय-आर्य भाषा है** जिसमें **सबसे प्राचीन दस्तावेज़, वेदों** की रचना की गई है जिसे **वैदिक संस्कृत कहा जाता है।**
- **शास्त्रीय संस्कृत,** जो उस समय उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिम में प्रयुक्त होने वाली उत्तर वैदिक भाषा के करीब थी, को अब तक रचित **सबसे उत्कृष्ट व्याकरणों में से एक,** अष्टाध्यायी ("आठ अध्याय") में सुंदर ढंग से वर्णित किया गया है, जिसकी रचना **पाणिनि ने की थी** (लगभग 6वीं-5वीं शताब्दी ई.पू.)।

संस्कृत को देवनागरी लिपि **के अलावा विभिन्न क्षेत्रीय लिपियों में** भी लिखा गया है, जैसे उत्तर में शारदा (कश्मीर), पूर्व में बांग्ला (बंगाली), पश्चिम में गुजराती और विभिन्न दक्षिणी लिपियाँ, जिनमें **ग्रंथ वर्णमाला भी शामिल** है, जिसे विशेष रूप से संस्कृत ग्रंथों के लिये तैयार किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय खेल 2025

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड ने राष्ट्रीय खेलों के 38वें संस्करण **की मेज़बानी की, जिसमें 28 राज्यों, आठ केंद्रशासित प्रदेशों** और **सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (SSCB) ने भाग लिया।**

प्रमुख बिंदु

- **वर्तमान पदक तालिका:**
  - SSCB 120 पदकों के साथ शीर्ष स्थान पर है, जिनमें शामिल हैं:
    - 67 स्वर्ण
    - 26 रजत
    - 27 कांस्य
  - दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र रहा, जिसने कुल 195 पदक हासिल किये।
    - 53 स्वर्ण
    - 70 रजत
    - 72 कांस्य
  - तीसरे स्थान पर रहे हरियाणा ने 150 पदक अर्जित किये, जिनमें शामिल हैं:
    - 46 स्वर्ण
    - 46 रजत
    - 58 कांस्य
- **राष्ट्रीय खेल 2025 के बारे में:**
  - भारत का राष्ट्रीय खेल एक ओलंपिक **शैली का बहु-खेल आयोजन है, जिसमें राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों** के खिलाड़ी पदक के लिये प्रतिस्पर्द्धा करते हैं।
  - **राष्ट्रीय खेलों का 38वाँ संस्करण** 28 **जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखंड** में हुआ।
- **प्रतियोगिता संरचना:**
  - राष्ट्रीय खेलों में **32 खेल प्रतियोगिताएँ शामिल हुईं।**
  - इसके अलावा, **चार प्रदर्शन खेल भी** शामिल किये गये अर्थात् **कलरीपयट्टू, योगासन, मल्लखंभ और राफ्टिंग।**
- **थीम और टैगलाइन:**
  - खेलों का शुभंकर **मौली है, जो उत्तराखंड के राज्य पक्षी मोनाल** से प्रेरित है तथा इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है।
  - खेलों की टैगलाइन है **"संकल्प से शिखर तक"।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

14वाँ मध्य कैरियर पाठ्यक्रम (चरण III)

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC), भारत ने **इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून** में **14वें मध्य कैरियर पाठ्यक्रम (चरण III)** के भाग के रूप में **भारतीय वन सेवा (आईएफएस)** अधिकारियों के लिये एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

प्रमुख बिंदु

- **आईएफएस अधिकारियों का महत्त्व:**
  - NHRC के अध्यक्ष ने देश की प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा में भारतीय वन सेवा के अधिकारियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। **उन्होंने विकास** आवश्यकताओं **और संरक्षण प्राथमिकताओं के बीच संतुलन बनाने** की उनकी जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला।
  - **उन्होंने अधिकारियों के लिये वन कानून के ऐतिहासिक संदर्भ, वन प्रबंधन में उभरती चुनौतियों तथा कानून, नीति और प्रवर्तन के बीच संबंधों को समझने** की आवश्यकता पर ज़ोर दिया ताकि वे अपने कर्त्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।
- **वन कानून का ऐतिहासिक विकास:**
  - अध्यक्ष ने **ब्रिटिश काल से लेकर वर्तमान तक वन कानून के ऐतिहासिक विकास पर भी चर्चा की।** विकास और संरक्षण के बीच बदलते संतुलन पर भी प्रकाश डाला गया।
  - वन भूमि अधिग्रहण पर 2013 **के भूमि अधिग्रहण अधिनियम** के प्रभाव की जाँच की गई, जिसके परिणामस्वरूप अंततः वन संरक्षण अधिनियम 2023 **में संशोधन किया गया।**
- **वन संरक्षण पर न्यायिक प्रभाव:**
  - अध्यक्ष ने वन संरक्षण को आकार देने में न्यायालयों की भूमिका पर ज़ोर दिया, उन्होंने वर्ष 1995 के ऐतिहासिक टी. एन. गोदावर्मन मामले का हवाला दिया। इस मामले ने **वन क्षेत्र पर लकड़ी उद्योग के हानिकारक प्रभावों को कम किया।**
  - **मज़बूत कानूनों और प्रभावी प्रवर्तन तंत्रों के महत्त्व** पर प्रकाश डाला गया तथा यह भी कहा गया कि **'निरंतर आदेश'** के माध्यम से न्यायालय की निरंतर भागीदारी, विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाने में लगातार आने वाली चुनौतियों को उजागर करती है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)

- **के बारे में:**
  - यह व्यक्तियों के जीवन, स्वतंत्रता, समानता और गरिमा **से संबंधित** अधिकारों **की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।**
  - भारतीय संविधान और अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदाओं द्वारा गारंटीकृत अधिकार, जिन्हें भारतीय न्यायालयों द्वारा लागू किया जा सकता है।
- **स्थापना:**
  - 12 अक्तूबर 1993 को मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 **के तहत स्थापित।**
  - मानव अधिकार संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2006 और मानव अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा संशोधित।
  - मानव अधिकारों को बढ़ावा देने और संरक्षण देने के लिये अपनाए गए पेरिस सिद्धांतों के अनुरूप इसकी स्थापना की गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी

- **यह भारत के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अधीन** एक वन सेवा प्रशिक्षण संस्थान है, जिसे मूलत: भारतीय वन महाविद्यालय के रूप में जाना जाता था, **जिसकी स्थापना वर्ष 1938 में** वरिष्ठ वन अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिये की गई थी।
- **यह** वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के न्यू फॉरेस्ट परिसर में स्थित है।

उत्तराखंड में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिये अनुदान

चर्चा में क्यों ?

केंद्र सरकार ने **वित्तीय वर्ष 2024-25** के दौरान **पंजाब, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़** में **ग्रामीण स्थानीय निकायों** के लिये पंद्रहवें वित्त आयोग (XV FC) का अनुदान जारी किया है।

- ये अनुदान पंचायती राज संस्थाओं (PRI) **और** ग्रामीण स्थानीय निकायों (RLB) को सहायता देकर **ज़मीनी स्तर पर लोकतंत्र को मज़बूत करते हैं।**

प्रमुख बिंदु

- **XV FC अनुदान:**
  - **सरकार ने उत्तराखंड के लिये वित्त वर्ष 2024-25 के लिये अनटाइड अनुदान** की पहली किस्त, 93.9643 करोड़ रुपए जारी कर दी है।
  - **सरकार ने पंजाब** में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिये 225.1707 करोड़ रुपए की अनटाइड **अनुदान** की पहली किस्त जारी कर दी है।
  - **सरकार ने छत्तीसगढ़ के लिये** वित्त वर्ष 2024-25 के लिये 237.1393 करोड़ रुपए की अनटाइड ग्रांट की दूसरी किस्त वितरित की है।
- **अनुदान आवंटन की प्रक्रिया:**
  - **पंचायती राज मंत्रालय** और जल शक्ति मंत्रालय **(पेयजल और स्वच्छता विभाग)** ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिये XV FC अनुदान की सिफारिश करते हैं।
  - वित्त मंत्रालय इन अनुदानों को प्रति वित्तीय वर्ष दो किस्तों में जारी करता है।
- **XV FC अनुदान का उपयोग:**
- **अप्रतिबंधित अनुदान:**
  - पंचायती राज संस्थाएँ और ग्रामीण स्थानीय निकाय इन अनुदानों का उपयोग संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में सूचीबद्ध **29 विषयों के अंतर्गत स्थान-विशिष्ट आवश्यकताओं के लिये कर सकते हैं।**
  - इन अनुदानों का **उपयोग वेतन और स्थापना लागतों के लिये नहीं किया जा सकता।**
- **बंधे हुए अनुदान:**
  - इन निधियों का **उपयोग बुनियादी सेवाओं के लिये किया जाना चाहिये,** जिनमें शामिल हैं:
    - स्वच्छता और खुले में शौच से मुक्त (ODF) स्थिति का रखरखाव, जिसमें अपशिष्ट प्रबंधन और मल कीचड़ उपचार शामिल है।
    - पेयजल आपूर्ति, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

वित्त आयोग

- यह एक संवैधानिक निकाय है, जो संवैधानिक व्यवस्था और वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार **केंद्र और राज्यों** के बीच तथा राज्यों के बीच **कर आय के वितरण की विधि और नियम निर्धारित करता है।**
- संविधान के **अनुच्छेद 280 के** तहत भारत के राष्ट्रपति को पाँच वर्ष के अंतराल पर या उससे पहले एक **वित्त आयोग का गठन करना आवश्यक है।**
- प्रथम वित्त आयोग **की** स्थापना वर्ष 1951 में हुई थी और अब तक पंद्रह **वित्त आयोग स्थापित** हो चुके हैं।

15वाँ वित्त आयोग

- **एन.के. सिंह की अध्यक्षता में 15वें वित्त आयोग** का गठन भारत के राष्ट्रपति द्वारा 27 नवंबर 2017 को **योजना आयोग की समाप्ति और** वस्तु एवं सेवा कर (GST) लागू होने की पृष्ठभूमि में किया गया था।
- नवंबर 2019 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15वें वित्त आयोग **को** पहले **वित्त वर्ष 2020-21 के लिये अपनी पहली रिपोर्ट प्रस्तुत करने** और वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक के लिये अंतिम रिपोर्ट 30 अक्टूबर, 2020 तक प्रस्तुत करने के लिये इसके कार्यकाल को बढ़ाने की मंजूरी दी थी।

उत्तराखंड में दुनिया का दूसरा सबसे ऊँचा ट्रेक

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री उत्तराखंड की शीतकालीन यात्रा का उद्घाटन करने के लिये 27 फरवरी 2025 को गंगोत्री मुखबा का दौरा करेंगे।

- **मुखबा (मुखवा) हरसिल कस्बे में भागीरथी नदी के तट** पर गंगोत्री तीर्थस्थल **के** रास्ते में स्थित एक छोटा सा गाँव है।
  - यह समुद्र तल से **2620 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।**

मुख्य बिंदु

- **जनकताल ट्रेक की आधारशिला:** प्रधानमंत्री **जनकताल ट्रेक** की आधारशिला रखेंगे, जो दुनिया का **दूसरा सबसे ऊँचा ट्रेकिंग रूट** होगा।
- **पर्यटन पहल: कई साहसिक गतिविधियों की योजना बनाई गई है, जिसमें उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड (UTDB)** के तत्त्वावधान में **जादुंग** तक मोटरबाइक रैली आयोजित करना भी शामिल है।
  - भारत-तिब्बत सीमा पुलिस **द्वारा नीलापानी** से **मुलिंग ला बेस** तक एक ट्रैकिंग अभियान आयोजित किया गया।
  - इससे **पर्यटन को बढ़ावा मिलने** तथा **टिकाऊ पर्यटन प्रथाओं** के माध्यम से क्षेत्र की **आर्थिक वृद्धि में वृद्धि होने की उम्मीद है।**
- **सांस्कृतिक महत्त्व:** प्रधानमंत्री के **मुखवा** स्थित **गंगा मंदिर में पूजा-अर्चना करने की संभावना है।**

जनकताल ट्रेक

- **उत्तराखंड** में स्थित जनकताल **ट्रेक 17,716 फीट की** ऊँचाई तक पहुँचता है, जो इसे **दुनिया का दूसरा सबसे ऊंचा ट्रैकिंग मार्ग बनाता है।**
- ट्रेकर्स को गढ़वाल हिमालय **के लुभावने दृश्य,** अद्वितीय **वनस्पतियाँ शांत** हिमनद झीलें और रास्ते में पारंपरिक गाँवों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति की झलक देखने को मिलती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- 12 किलोमीटर का **जनकताल ट्रेक** साहसी यात्रियों को **ऊबड़-खाबड़, ऊँचे इलाकों से होते हुए बर्फ से ढकी चोटियों** से घिरी एक एकांत झील तक ले जाता है।
- **पहले सैन्य उपस्थिति** के कारण प्रतिबंधित यह क्षेत्र अब पर्यटकों के लिये खुला है और अपनी अछूती सुंदरता से लोगों को लुभा रहा है।
- उत्तराखंड सरकार घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय साहसिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये जादुंग, नेलोंग और सोनम घाटी के साथ इस मार्ग को विकसित करने की योजना बना रही है।

उत्तराखंड में बाहरी लोगों के कृषि भूमि खरीदने पर रोक

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड **मंत्रिमंडल ने** एक नए मसौदा कानून को मंजूरी दी है, जो **हरिद्वार** और **उधम सिंह नगर** को छोड़कर 13 में से 11 ज़िलों में **राज्य के गैर-निवासियों द्वारा कृषि** और बागवानी भूमि खरीदने पर प्रतिबंध लगाता है।

मुख्य बिंदु:

- **भूमि खरीद पर प्रतिबंध: ज़िला मजिस्ट्रेटों के** पास अब भूमि खरीद को मंजूरी देने का अधिकार नहीं होगा।
  - राज्य के गैर-निवासियों को **धोखाधड़ी और अनियमितताओं को रोकने के लिये भूमि खरीदने से पहले एक हलफनामा प्रस्तुत करना होगा,** जिसकी अंतिम मंजूरी राज्य प्रशासन के पास होगी।
- **ऑनलाइन निगरानी प्रणाली:** गैर-निवासियों से जुड़े भूमि लेनदेन को रिकॉर्ड करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिये एक समर्पित पोर्टल बनाया जाएगा।
- **भूमि उपयोग के सख्त नियम:** नगरपालिका की सीमा के भीतर भूमि का उपयोग निर्धारित नियमों के अनुसार ही किया जाना चाहिए। किसी भी उल्लंघन के परिणामस्वरूप भूमि पर सरकारी कब्ज़ा हो जाएगा।
- **हिमाचल प्रदेश से तुलना:** हिमाचल प्रदेश में गैर-कृषक स्वतंत्र रूप से कृषि भूमि नहीं खरीद सकते हैं, लेकिन वे सरकारी अनुमोदन से **उद्योग,** पर्यटन **या बागवानी** के लिये इसे अधिगृहीत कर सकते हैं।
- **सरकार का रुख:** यह नया मसौदा **राज्य के संसाधनों,** सांस्कृतिक विरासत और **नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा,** साथ ही राज्य की मूल पहचान को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उत्तराखंड बजट 2025-26

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये **1,01,175.33 करोड़ रुपए का बजट** पेश किया है, जिसका उद्देश्य **आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करते हुए** बुनियादी ढाँचे **को मज़बूत करना है।**

मुख्य बिंदु

- **बजट प्रस्तुति और विज़न:**
  - **राज्य वित्त मंत्री ने** देहरादून स्थित राज्य विधानसभा में 1,01,175.33 करोड़ रुपए का बजट पेश किया।
  - बजट में राज्य के आर्थिक और बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये **एक व्यापक रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **क्षेत्रीय फोकस क्षेत्र:**
  - सरकार ने कृषि, उद्योग, ऊर्जा, बुनियादी ढाँचा, **कनेक्टिविटी, पर्यटन और आयुष को प्राथमिकता दी है।**
  - विकास को बढ़ावा देने के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढाँचे और ग्रामीण विकास पर अतिरिक्त ज़ोर दिया गया है।
- **राजस्व एवं प्राप्तियाँ अवलोकन:**
  - बजट में कुल प्राप्तियाँ 1,01,034.75 करोड़ रुपए अनुमानित हैं, जिनमें शामिल हैं:
    - राजस्व प्राप्तियाँ : 62,540.54 करोड़ रुपए
    - पूंजीगत प्राप्तियाँ : 38,494.21 करोड़ रुपए
  - कर राजस्व का योगदान 39,917.74 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जबकि गैर-कर राजस्व का योगदान 22,622.80 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।
- समावेशी विकास **के लिये 'ज्ञान' मॉडल:**
  - **यह बजट 'ज्ञान' मॉडल** पर आधारित है, जिसमें निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित किया गया है:
    - गरीब (Poor)
    - युवा
    - अन्नदाता(Farmers)
    - नारी (Woman)
- **उद्योग और स्टार्टअप को बढ़ावा:**
  - औद्योगिक विकास और उद्यमिता को समर्थन देने के लिये बजट में निम्नलिखित शामिल हैं:
  - एमएसएमई उद्योगों के लिये 50 करोड़ रुपए।
  - मेगा उद्योग नीति के लिये 35 करोड़ रुपए।
  - स्टार्टअप प्रोत्साहन के लिये 30 करोड़ रुपए।
  - आर्थिक विस्तार को बढ़ावा देने के लिये **मेगा परियोजना योजना** के अंतर्गत 500 करोड़ रुपए।
- **क्षेत्रवार प्रमुख आवंटन:**
- **जल संसाधन और सिंचाई:**
  - जमरानी बाँध, सोंग बाँध, लखवाड़ परियोजना के लिये धन आवंटित किया गया है।
  - राज्यों के लिये विशेष पूंजी सहायता के अंतर्गत 1,500 करोड़ रुपए।
  - जल जीवन मिशन के लिये 1,843 करोड़ रुपए।
  - शहरी जलापूर्ति सुधार के लिये 100 करोड़ रुपए।
- **सड़क, परिवहन और बुनियादी ढाँचा:**
  - 220 किलोमीटर नई सड़कें बनाई जाएंगी।
  - 1,000 किमी सड़कों का पुनर्निर्माण तथा 1,550 किमी सड़कों का नवीनीकरण किया जाएगा।
  - **सड़क सुरक्षा पहल** के लिये 1,200 करोड़ रुपए।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- 37 नए पुल बनाए जायेंगे।
- PMGSY योजना के अंतर्गत 1,065 करोड़ रुपए आवंटित।
- **नागरिक उड्डयन विभाग** के लिये 36.88 करोड़ रुपए।

- **पर्यटन और सांस्कृतिक विकास:**
  - टिहरी झील **विकास** के लिये 100 करोड़ रुपए।
  - **मानसखण्ड योजना** के लिये 25 करोड़ रुपए।
  - **वाइब्रेंट विलेज योजना** के लिये 20 करोड़ रुपए।
  - **नये पर्यटन स्थलों** के लिये 10 करोड़ रुपए।
  - चारधाम **सड़क नेटवर्क सुधार** के लिये 10 करोड़ रुपए।
- **पर्यावरण और सतत विकास:**
  - **कैम्पा योजना** के लिये 395 करोड़ रुपए आवंटित।
  - जलवायु परिवर्तन **शमन** के लिये 60 करोड़ रुपए।
  - **स्प्रिंग एवं रिवर रिजुवेनेशन अथॉरिटी** के लिये 125 करोड़ रुपए।
  - **सार्वजनिक वनरोपण परियोजनाओं** के लिये 10 करोड़ रुपए।
- **सामाजिक सुरक्षा और कल्याण:**
  - सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिये 1,811.66 करोड़ रुपए आवंटित।
  - विभिन्न कल्याणकारी सब्सिडी के लिये 918.92 करोड़ रुपए अलग रखे गए।
  - **खाद्य सुरक्षा योजना** के लिये 600 करोड़ रुपए।
  - प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिये 207.18 करोड़ रुपए।
  - प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लिए 54.12 करोड़ रुपए।
  - EWS आवास अनुदान के लिये 25 करोड़ रुपए।
  - निम्न आय वाले परिवारों के लिये रसोई गैस सब्सिडी हेतु 55 करोड़ रुपए।
  - पर्यावरण मित्र बीमा योजना के लिये 2 करोड़ रुपए।
  - राज्य परिवहन बसों में मुफ्त यात्रा उपलब्ध कराने के लिये 40 करोड़ रुपए।
  - **राज्य खाद्यान्न योजना** के लिये 10 करोड़ रुपए।
  - **अंत्योदय राशन कार्ड** धारकों को नमक पर सब्सिडी देने के लिये 34.36 करोड़ रुपए।
- **विकास पर रणनीतिक ध्यान:**
  - **यह बजट समग्र विकास और** सतत् विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
  - बुनियादी ढाँचे, सामाजिक कल्याण, पर्यावरण और आर्थिक विस्तार पर ज़ोर देकर सरकार का लक्ष्य उत्तराखंड निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

- **यह एक केन्द्र सरकार की योजना है, जिसे वर्ष 2000 में** असंबद्ध ग्रामीण बस्तियों को बारहमासी सड़क संपर्क प्रदान करने के लिये शुरू किया गया था।
  - यह योजना मूलत: 100% केन्द्र प्रायोजित पहल थी, लेकिन वित्तीय वर्ष 2015-16 से इसका वित्तपोषण **केंद्र और राज्य सरकारों के बीच 60:40 के अनुपात में साझा किया जाने लगा।**
  - इस योजना के विभिन्न चरणों के अंतर्गत लगभग 800,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कें बनाई गई हैं और 180,000 बस्तियों को जोड़ा गया है।

जीवंत गाँव कार्यक्रम

- यह एक **केंद्र प्रायोजित योजना है,** जिसकी घोषणा **केंद्रीय बजट 2022-23 (2025-26 तक) में उत्तरी सीमा** पर स्थित गाँवों के विकास के लिये की गई है, जिससे चिन्हित सीमावर्ती गाँवों में **रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।**
- **यह हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और लद्दाख** के सीमावर्ती क्षेत्रों को कवर करेगा।
- इसमें 2,963 गाँव शामिल होंगे, जिनमें से 663 को पहले चरण में शामिल किया जाएगा।
- ज़िला प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायतों की सहायता से जीवंत ग्राम कार्य योजनाएँ बनाई जाएंगी।
- **सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के साथ** कोई सामंजस्य नहीं होगा।

राष्ट्रीय ई-विधान आवेदन

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड विधानसभा ने **राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (NeVA) को** अपना लिया है और इसे **डिजिटल सदन में परिवर्तित कर दिया है।**

मुख्य बिंदु

- **मुख्यमंत्री** पुष्कर सिंह धामी और अध्यक्ष रितु खंडूरी ने उत्तराखंड विधानसभा में **राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (NeVA) का उद्घाटन किया।**
- **इस कार्यक्रम में राज्यपाल** गुरमीत सिंह भी शामिल हुए।
- **राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन के बारे में:**
  - **डिजिटल इंडिया पहल** के तहत, भारत सरकार ने **देश की सभी विधानसभाओं को कागज़ रहित प्रारूप में परिवर्तित करने** और उन्हें एक मंच पर एकीकृत करने के लिये केंद्र प्रायोजित 'राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन' योजना शुरू की है।
  - योजना कार्यान्वयन **लागत का 60% हिस्सा भारत सरकार और 40% हिस्सा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।**

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम

- वर्ष 2015 में शुरू किये गए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम **का उद्देश्य भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज** और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में बदलना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इसके **प्रमुख उद्देश्यों में** डिजिटल बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करना, डिजिटल रूप से सेवाएँ प्रदान करना और डिजिटल वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना शामिल है।

उत्तराखंड के जैविक निर्यात में गिरावट

चर्चा में क्यों ?

जैविक खाद्य उत्पादकों एवं विपणन एजेंसियों के परिसंघ (COII) **ने** उत्तराखंड से जैविक उत्पादों के निर्यात में 66% की तीव्र गिरावट पर चिंता व्यक्त की।

मुख्य बिंदु

- **गिरावट के कारण:**
  - निर्यात में गिरावट मुख्य रूप से राज्य सरकार द्वारा घोषित **"उत्तराखंड ऑर्गेनिक"** नीति का **क्रियान्वयन न किये जाने के कारण है**
  - आजीविका की तलाश में लोगों का निरंतर पलायन जारी है, क्योंकि वे कृषि को आर्थिक रूप से लाभप्रद नहीं मानते।
  - यदि राज्य सरकार किसानों को **प्रोत्साहन, मंडियों, प्रशिक्षण** और **प्रदर्शन कार्यक्रमों के माध्यम से समर्थन नहीं देती है,** तो स्थिति **और खराब हो जाएगी** और समय के साथ खेत खेती योग्य नहीं रह जाएंगे।
- **उठाए गए कदम:**
  - किसानों को जैविक खेती की तकनीक उपलब्ध कराने के लिये COII और जीबी पंत विश्वविद्यालय के बीच **समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।**
  - **500 किसानों को प्रशिक्षण** तथा **जैविक प्रमाणीकरण प्राप्त करने में सहायता।**
- **APEDA को** राज्य के आंतरिक भागों में नियमित आधार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम और क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित करने में मदद करनी चाहिये।
  - **राज्य सरकार को** जैविक खेती अपनाने वाले किसानों को **तीन वर्षों तक वित्तीय सहायता देनी चाहिये तथा बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करना चाहिये।**
- **अपेक्षित परिणाम:**
  - **जैविक खेती को लाभदायक** बनाने से बागवानी और **हस्तशिल्प को बढ़ावा मिल** सकता है, **कृषि आधारित** लघु उद्योगों **का विकास हो सकता है,** जिससे अंततः आजीविका के लिये लोगों का पलायन कम हो सकता है।

जैविक खेती:

परिचय

- जैविक कृषि से अभिप्राय कृषि की ऐसी प्रणाली से है, जिसमें रासायनिक खादों एवं कीटनाशक दवाओं का प्रयोग नहीं हो बल्कि उसके स्थान पर **जैविक खाद या प्राकृतिक खादों** का प्रयोग हो।
- यह कृषि की एक **पारंपरिक विधि है,** जिसमें भूमि की उर्वरता में सुधार होने के साथ ही पर्यावरण प्रदूषण भी कम होता है।
- जैविक कृषि पद्धतियों को अपनाने से धारणीय कृषि, जैवविविधता संरक्षण आदि लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। **जैविक कृषि** को बढ़ावा देने के लिये किसानों को प्रशिक्षण देना महत्त्वपूर्ण है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (NPOP):

- **वर्ष 2001** में शुरू की गई NPOP, **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय** के तहत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) द्वारा कार्यान्वित की जाती है, जो जैविक उत्पादन मानकों और जैविक खेती को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।
- यह जैविक खेती में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्द्धात्मकता को बढ़ाता है। उत्पादन और मान्यता के लिये NPOP मानकों को **यूरोपीय आयोग और स्विट्ज़रलैंड द्वारा मान्यता प्राप्त है,** जिससे भारतीय जैविक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किया जा सकता है।

जैविक खाद्य उत्पादक एवं विपणन एजेंसी परिसंघ (COII):

- **जैविक खाद्य उत्पादकों एवं विपणन एजेंसियों का परिसंघ,** जिसे लोकप्रिय रूप से **COII के नाम से जाना जाता है,** भारत में सभी हितधारकों का एक समन्वित और एकीकृत निकाय है, जिसमें किसान, उत्पादक, संग्रहण केंद्र, प्रसंस्करणकर्त्ता, क्रेता, विक्रेता, आयातक, निर्यातक, बीज और प्रौद्योगिकी प्रदाता, बैंक और वित्तीय संस्थान, राज्य और केंद्र सरकारें इत्यादि शामिल हैं।
- अपनी स्थापना के बाद से ही परिसंघ **जैविक खाद्य उद्योग** के सभी हितधारकों के हितों को **बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने तथा** उद्योग के लिये एक **सामूहिक मदद प्रदान करने में लगा हुआ है**।
- परिसंघ उद्योग के सामान्य आदर्श, वाणिज्यिक और व्यावसायिक हितों को बढ़ावा देता है, विशेष रूप से अनुचित प्रतिस्पर्द्धा से लड़कर और प्रौद्योगिकी में जानकारी तथा परिवर्तन प्रदान करके।

केदारनाथ मंदिर

चर्चा में क्यों ?

26 फरवरी 2025 को **श्री** बद्रीनाथ-केदारनाथ **मंदिर समिति ने** घोषणा की कि मंदिर के द्वार 2 मई 2025 को खुलेंगे।

मुख्य बिंदु

- **तीर्थ स्थलों के लिये अंतिम तिथियाँ:**
  - **केदारनाथ मंदिर के** कपाट खुलने की घोषणा के साथ ही गढ़वाल हिमालय के सभी चार पवित्र स्थलों के लिये कपाट खुलने की तिथियाँ तय हो गई हैं।
  - **बद्रीनाथ धाम के कपाट 4 मई 2025** को खुलेंगे।
  - **गंगोत्री और यमुनोत्री धाम 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया के अवसर पर खुलेंगे।**
  - ये **चार स्थल मिलकर छोटा** चार धाम **का** निर्माण करते हैं, जो एक महत्त्वपूर्ण हिंदू तीर्थस्थल है।
- **केदारनाथ मंदिर खोलने पर निर्णय:**
  - **धार्मिक गुरुओं और वेदपाठियों ने** महाशिवरात्रि पर केदारनाथ के कपाट खुलने का शुभ समय और तिथि निर्धारित की।
  - **यह निर्णय बाबा केदार के शीतकालीन निवास स्थान** उखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद लिया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

चार धाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान: उत्तरकाशी ज़िला**
  - देवी यमुना **को समर्पित।**
  - **यमुना नदी भारत में गंगा नदी** के बाद दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान: उत्तरकाशी ज़िला**
  - **समर्पित:** देवी गंगा को।
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान: रुद्रप्रयाग ज़िला**
  - भगवान शिव **को समर्पित।**
  - मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित है।
  - **भारत में स्थित** 12 ज्योतिर्लिंगों (भगवान शिव के दिव्य स्वरूप) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - पवित्र बद्रीनारायण मंदिर का घर।
  - भगवान विष्णु **को समर्पित।**
  - वैष्णवों के लिये पवित्र तीर्थस्थलों में से एक।

उत्तराखंड वनरोपण निकाय ने धन का गलत प्रबंधन किया

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड के अनिवार्य वनरोपण प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (कैम्पा) पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) **की रिपोर्ट जारी होने** के बाद, निकाय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि वे उठाए गए मुद्दों पर विचार कर रहे हैं।

- वर्ष 2019-20 से 2021-22 तक की अवधि को कवर करने वाली रिपोर्ट में 43 वन प्रभागों में 753.89 करोड़ रुपए का अनुचित व्यय पाया गया।

मुख्य बिंदु

- **CAG ने CAMPA व्यय पर चिंता जताई:**
  - CAG ने कैम्पा के लिये **आवंटित कुल धनराशि में से 13.86 करोड़ रुपए की अनियमितता की बात कही है।**
  - मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि यह निर्धारित करने के लिये कि क्या व्यय को प्रशासन द्वारा अनुमोदित किया गया था, लेखापरीक्षा **का सत्यापन आवश्यक है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **विवादित खरीद:**
  - यह पाया गया कि केवल दो मोबाइल फोन खरीदे गए थे तथा CAMPA नियम ऐसी खरीद पर रोक नहीं लगाते।
  - **कैम्पा नियम** वन एवं वन्यजीव संरक्षण के लिये संचार एवं आईटी उपकरणों पर खर्च की अनुमति देते हैं।
- **प्रमुख निधि विचलन की पहचान की गई:**
  - हरिद्वार, टोंस, नैनीताल और नरेंद्रनगर वन प्रभागों ने भवन नवीनीकरण, हरेला और बाड़ लगाने पर 3.6 करोड़ रुपए खर्च किये, जिसे CAG ने "बड़ी हेराफेरी" बताया।
  - **कालागढ़ टाइगर रिज़र्व** (लैंसडाउन प्रभाग) ने 1.71 करोड़ रुपए निम्नलिखित कार्यों के लिये हस्तांतरित किये:
    - बाघ सफारी के लिये मोटर सड़क निर्माण
    - **हाथी** सुरक्षा दीवार
    - वन विश्राम गृह की मरम्मत
    - सौर बाड़ लगाना और लैंटाना हटाना
  - CAG ने कहा कि इस योजना को उचित ज़मीनी स्तर के विश्लेषण के बिना **वार्षिक परिचालन योजना (APO) में शामिल कर लिया गया।**

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG)

- संविधान **के अनुच्छेद 148** के अनुसार भारत का CAG **भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग (IA-AD) का** प्रमुख होता है।
- वह सार्वजनिक खजाने की सुरक्षा तथा केंद्र एवं राज्य दोनों स्तरों पर वित्तीय प्रणाली की देखरेख के लिये ज़िम्मेदार होता है।
- CAG वित्तीय प्रशासन में **संविधान और संसदीय कानूनों को कायम रखता है और इसे** सर्वोच्च न्यायालय, चुनाव आयोग और संघ लोक सेवा आयोग के साथ भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली के प्रमुख स्तंभों में से एक माना जाता है।
- भारत का CAG **नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 द्वारा शासित होता है,** जिसमें वर्ष 1976, 1984 और 1987 में महत्त्वपूर्ण संशोधन किये गए।

कालागढ़ टाइगर रिजर्व

- **परिचय:**
  - यह **उत्तराखंड के नैनीताल ज़िले में स्थित है।**
  - इसका **गठन 1974 में हुआ था जब जिम कॉर्बेट पार्क** के उत्तरी क्षेत्र का **नाम बदलकर कालागढ़ टाइगर रिज़र्व कर दिया गया था।**
  - **इसका नाम** रामगंगा नदी पर बने **कालागढ़ बाँध के नाम पर रखा गया है।**
  - सोना नदी वन्यजीव अभयारण्य और जिम कॉर्बेट पार्क सहित 301.18 वर्ग किमी में फैला हुआ।
- **भूभाग:**
  - हिमालय की तलहटी में स्थित है।
  - इसमें जंगलों, घास के मैदानों और पहाड़ियों का विविध परिदृश्य है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **वनस्पति:**
  - **साल, शीशम, सेमल, बाकली, हलदु, तुन, सैन, अंजीर और बाँस** जैसे पेड़ों का घर है।
  - औषधीय पौधों से भरपूर है।
- **जीव-जंतु:**
  - **यहाँ बाघों, तेंदुओं, हाथियों और अन्य जंगली बिल्लियों** का उच्च घनत्व है।
  - यहाँ विभिन्न **हिरण प्रजातियाँ निवास करती हैं, जिनमें चीतल, भौंकने वाले हिरण, गोरल, सांभर और हॉग हिरण शामिल हैं।**
  - यह 580 से अधिक पक्षी प्रजातियों का घर है, जैसे **किंगफिशर, वैगटेल, फोर्कटेल, तीतर और** हॉर्नबिल।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :